



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-10-26	3	2-5

कृषि मेला • फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न ₹3.56 करोड़ के बीज व अन्य उत्पादों की बिक्री, 771 मिट्टी के नमूनों की हुई जांच

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएच में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला रबी में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 46 हजार किसानों ने भाग लिया। इस दौरान 3,54,03,910 रुपए के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने 3,51,71,300 करोड़ रुपए के रबी फसलों के प्रमाणित बीज तथा अन्य बीज खरीदे। बीजों के अलावा किसानों ने 3.29 लाख रुपए के जैव उर्वरक खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी के 771 नमूनों की जांच करवाई गई। मेले में 58 हजार रुपए के टिशू कल्चर प्लांट भी बेचे गए। कृषि मेला प्रदर्शनी में कुल 350 स्टॉलें लगाई गईं। मेले की थीम 'सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' था।



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

फसल स्पर्धा में बलम्भा से गेहूं का बीज लेकर पहुंचा सुभाष

कृषि मेले में किसानों के लिए फसल प्रतियोगिताएं हुईं। बलम्भा का किसान सुभाष यहां अपने खेत में तैयार गेहूं का बीज लेकर पहुंचा। इसकी औसत पैदावार 33 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। बीज को वैज्ञानिकों को दिखाया, उसकी कोशिश है कि 40 क्विंटल प्रति एकड़ तक इसकी पैदावार को ले जाया जाए। कृषि मेले में बीज काउंटरों पर दूसरे दिन भी लाइनें लगी रहीं; गेहूं का बीज खत्म होने से किसान मायूस लौटे।

किसान समूह में रजनीश प्रथम, विभागों में गन्ना अनुभाग अग्रवर्त

प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के रजनीश कुमार ने प्रथम, कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुलबीर व शमशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। विश्वविद्यालय स्तर पर सीसीएसएचएचएच विभाग समूह में गन्ना अनुभाग ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग में कपास अनुभाग व सब्जी विज्ञान विभाग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एग्री-टूरिज्म और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। एमएचयू/लुवास

और सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार को प्रथम, एमएचयू, करनाल को द्वितीय तथा बागवानी विभाग हरियाणा व भेड़ प्रजनन फार्म हिसार को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं, एचएच कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को धान-गेहूं के परंपरागत फसल चक्र पर निर्भरता कम करते हुए मक्का, दलहन, तिलहन, कपास, सब्जियां एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। फसल विविधीकरण से जहां मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-10-26	1	7-8



गमले में सफेद सोना

हकूवि में आयोजित कृषि मेला (रबी) में किसान पौधों की खरीदारी करते नजर आए। इस दौरान किसानों ने पौधों की गुणवत्ता और उपयोगिता की जानकारी भी ली। मेले में कपास की फसल देखते किसान ● गुलशन बजाज ● संबंधित खबर पेज -III

कृषि मेला ज्ञान, तकनीक व नवाचार का संगम: काम्बोज

हकृवि में सतत कपास उत्पादन फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय कृषि मेले का समापन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। मेले का थीम 'सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' रखा गया ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। समापन पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की सुविधा और कपास की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कपास की चुगाई के लिए बड़ी मशीन विकसित की गई है, जो एक एकड़ कपास की चुगाई लगभग 45 मिनट में कर सकती है। इसी दिशा में किसानों के लिए ऐसी छोटी एवं सुविधाजनक मशीन तैयार करने पर भी कार्य किया जाएगा, ताकि छोटे एवं मध्यम किसानों की भी मशीनरी का लाभ मिल सके। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक कपास की ऐसी उन्नत किस्में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जिनमें पौधों की ऊंचाई सीमित रहे।

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के 56 वर्षों के इतिहास में इस बार आयोजित कृषि मेला रबी-2026 में किसानों की अभूतपूर्व भागीदारी



हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेले (रबी) में उमड़ी किसानों की भीड़ • जागरण

मेले में छह राज्यों से एक लाख 46 हजार किसानों ने की शिरकत, कृषि मशीनरी की ली जानकारी

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला रबी में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 46 हजार किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो दिवसीय मेले के दौरान तीन करोड़ 56 लाख 3 हजार 910 रुपये के बीज, कृषि साहित्य व अन्य

उत्पादों की बिक्री हुई। संयुक्त निदेशक विस्तार डा. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने तीन करोड़ 51 लाख 71 हजार 300 रुपये के रबी फसलों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीजों के अलावा किसानों ने तीन लाख 29 हजार रुपये के जैव उर्वरक तथा 38 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 771 नमूनों की जांच करवाई गई।

देखने को मिली है। किसानों की भीड़ ने सभी रिकार्ड पोछे छोड़ दिए।

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. नरेश कौशिक ने बताया कि मेले में बीज समूह में गिराना सीड्स ने प्रथम स्थान हासिल किया। कीटनाशक समूह में उत्तम भारत एग्रीलाइफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को पहला स्थान मिला। उर्वरक, जैव-उर्वरक और पोषक तत्व समूह में जीनोम हैबोटेड ने प्रथम, मशीनरी और ट्रैक्टर समूह में तीर्थ एग्री टेक्नोलॉजी प्राइवेट

लिमिटेड शक्तिमान ने प्रथम स्थान, पशु औषधि समूह में वेक्सटर हेल्थ केयर ने पहला स्थान हासिल किया। प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के रजनीश कुमार ने प्रथम, कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कुलबीर व शमशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। विश्वविद्यालय स्तर पर सीसीएसएचएयू विभाग समूह में गन्ना अनुभाग ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग में

कपास अनुभाग व सब्जी विज्ञान विभाग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एग्री-टूरिज्म और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। एमएचयू लुवांस और सरकारी विभाग समूह में लुवांस, हिसार को प्रथम, एमएचयू करनाल को द्वितीय तथा बागवानी विभाग हरियाणा व भेड़ प्रजनन फार्म हिसार को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला।

अब बिना पानी के बनेगी बायोगैस प्लांट का नया माडल मेले में दिखाया

जागरण संवाददाता • हिसार : किसानों की तरफ से गोबर से बायोगैस बनाने के लिए लगातार प्लांट लगाए जाते हैं। एक क्यूबिक मीटर में लगने वाले इस प्लांट में किसान अभी तक गोबर और पानी को डालते हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से अब नया बायोगैस प्लांट का माडल प्रस्तुत किया गया। पुराने माडल को संशोधित करते हुए नए में पानी की जरूरत नहीं रहेगी। साथ ही प्लांट से निकलने वाली सलरी भी सूखी निकलेगी। संशोधित बायोगैस प्लांट का माडल कृषि मेले में प्रस्तुत करने के बाद किसानों ने जानकारी ली।

हरेडा की तरफ से अभी बायो गैस प्लांट लगाया जाता है। इस पर किसानों को सब्सिडी दी जाती है। मौजूद समय में प्रयोग हो रहे माडल में किसान को आधा गोबर और आधा पानी डालना पड़ता है। उसके बाद उससे गैस बनती है जिसका प्रयोग किसान करते हैं। मगर नए माडल में

एक किलो गोबर से 400 एमएल तक बायोगैस

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग से डा. कमला मलिक ने बताया कि एक किलो गोबर में 350 से 450 एमएल तक बायोगैस किसान प्राप्त कर सकते हैं। नया माडल किसानों के लिए काफी ज्यादा लाभकारी है। किसानों को मेले में यह काफी पसंद आया है। इससे पानी की बचत होगी साथ ही खाद भी जल्दी मिलेगी।

गोबर डालने के बाद पानी की जरूरत नहीं है। इससे पानी की काफी ज्यादा बचत होगी। पुराने माडल में इस प्लांट से सलरी काफी ज्यादा पानी वाली निकलती है। एचएयू की तरफ से तैयार किए गए नए माडल में यह सलरी सूखी होगी जिसे दो दिन तक रखने के बाद खेत में खाद के रूप में प्रयोग किया जा सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेला (रबी) के स्टाल पर रखा बायोगैस प्लांट का माडल देखते किसान • जागरण



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभर उजाला	3-10-26	3	1-4

किसानों ने जाना खेती का नया विज्ञान

एचएयू में सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा पर कृषि मेला संपन्न

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) शुक्रवार को संपन्न हो गया। मेले में किसानों ने खेती के नए विज्ञान, तकनीक और नवाचार की जानकारी ली।

इस वर्ष मेले का विषय सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा रखा गया था, ताकि किसानों को इन विषयों के प्रति जागरूक किया जा सके। समापन समारोह में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों की सुविधा और कपास की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दे रहा है। विश्वविद्यालय ने कपास की चुगाई के लिए बड़ी मशीन विकसित की है जो एक एकड़ कपास की चुगाई करीब 45 मिनट में कर सकती है।

कुलपति ने किसानों से कपास उत्पादन को टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए उन्नत किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोगों की समेकित रोकथाम तथा वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।



कृषि मेले में लगी स्टॉल से जानकारी लेते किसान। संवाद

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉल संचालक हुए सम्मानित

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि बीज समूह में गिरनार सीड्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एडवांटा एंटरप्राइजेस लिमिटेड और फोराजन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड संयुक्त रूप से दूसरे तथा गुडविल हाइब्रिड सीड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तीसरे स्थान पर रही। कीटनाशक समूह में उत्तम भारत एग्रोलाइफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड प्रथम, मोडेस्टो क्रॉप प्रोटेक्शन और शक्ति वर्धक हाइब्रिड प्राइवेट लिमिटेड संयुक्त रूप से द्वितीय तथा क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड तृतीय रहा। उर्वरक, जैव-उर्वरक और पोषक तत्व समूह में जीनोम हैबीटेड प्रथम, इफको हिसार द्वितीय और ग्रो इंडिगो प्राइवेट लिमिटेड तृतीय रहा। मशीनरी और ट्रैक्टर समूह में तीर्थ एग्रो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड शक्तिमान प्रथम, मोंटा इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर द्वितीय और फील्ड मार्शल तृतीय रहा। पशु औषधि समूह में वेक्सटर हेल्थ केयर प्रथम, एनिमैक्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वितीय और गुरुदेव वेटरनरीज तृतीय रहा।

350 स्टालों पर किसानों ने ली जानकारी

डॉ. गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और निजी क्षेत्र की कंपनियों ने नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए अब तक की सबसे अधिक 350 स्टाल लगाई। प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने विभिन्न फसलों, बीमारियों, पशुओं और मत्स्य पालन से जुड़े सवाल पूछे, जिनका वैज्ञानिकों ने जवाब दिया। मंच संचालन डॉ. कनिका रानी और श्वेता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी, कृषि विभाग के प्रतिनिधि, कृषि विशेषज्ञ, किसान और बड़ी संख्या में कृषि हितधारक मौजूद रहे।

मेले के मैदान का होगा विस्तार

बीसी ने कहा कि किसानों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए भविष्य में कृषि मेलों के लिए मेला ग्राउंड परिसर का विस्तार किया जाएगा, ताकि अधिक किसान सुविधाजनक ढंग से मेले में भाग ले सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के 56 वर्षों के इतिहास में इस बार आयोजित कृषि मेला रबी-2026 में किसानों की अभूतपूर्व भागीदारी रही। किसानों की भीड़ ने पिछले सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए।

यमुनानगर के रजनीश रहे प्रथम

प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के रजनीश कुमार ने प्रथम और कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुलबीर और शमशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। विश्वविद्यालय स्तर के सीसीएसएचएयू विभाग समूह में गन्ना अनुभाग प्रथम रहा। कपास अनुभाग और सब्जी विज्ञान विभाग संयुक्त रूप से दूसरे तथा एग्री-टूरिज्म और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। एमएचयू/लुवांस और सरकारी विभाग समूह में लुवास, हिसार प्रथम, एमएचयू, करनाल द्वितीय तथा बागवानी विभाग हरियाणा और भेड़ प्रजनन फार्म हिसार संयुक्त रूप से तृतीय रहे। विविध समूह में सिवानी बोलन इंडस्ट्रीज प्रथम, यूनिवर्सिटी सप्लाय चैन द्वितीय तथा बीकेटी टायर्स और एबीक स्टार्टअप संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

पत्रिका

हरिभूमि

3-10-26

9

2-7

हकूवि में सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण व जल संसाधन सुरक्षा विषय पर कृषि मेला संपन्न 6 राज्यों से 1.46 लाख किसान पहुंचे, रबी फसलों के 3.56 करोड़ से अधिक के बीज व उत्पाद खरीदे

हरिद्वार कृष्ण हिंसा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला रबी में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 46 हजार किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो दिवसीय मेले के दौरान 3 करोड़ 56 लाख 3 हजार 910 रुपये के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने 3 करोड़ 51 लाख 71 हजार 300 रुपये के रबी फसलों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीजों के अलावा किसानों ने 3 लाख 29 हजार रुपये के जैव उर्वरक तथा 38 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 771 नमूनों की जांच करवाई गई। मेले में 58 हजार रुपये के टिशू कल्चर प्लॉट भी बेचे गए। उन्होंने ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 350 स्टॉलें लगाई गईं। मेले के अन्तिम दिन बीज बिक्री केन्द्रों एवं स्टॉलों पर किसानों की भारी गहमा-गहमी रही।



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला रबी में खरीद के लिए किसानों की लगी लंबी लाइन व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।



कृषि मेला किसानों के लिए ज्ञान, तकनीक और नवाचार का संगम : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष के मेले का थीम 'सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की सुविधा और कपास की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कपास की चुगाई के लिए बड़ी मशीन विकसित की गई है, जो एक एकड़ कपास को चुगाई लगभग 45 मिनट में कर सकती है। इसी दिशा में किसानों के लिए ऐसी छोटी एवं सुविधाजनक मशीन तैयार करने पर भी कार्य किया जाएगा, ताकि छोटे एवं मध्यम किसानों को भी मशीनरी का लाभ मिल सके।

मेले में किसानों की रिकॉर्ड भागीदारी

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में किसानों से कपास उत्पादन को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के लिए उन्नत किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोगों की समेकित रोकथाम तथा वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कपास की फसल में अनावश्यक कीटनाशकों के प्रयोग से बचने तथा आवश्यकता के अनुसार वैज्ञानिक विधियों से कीट प्रबंधन करने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ राजवीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के 56 वर्ष के इतिहास में इस बार आयोजित कृषि मेला रबी-2026 में किसानों की अभूतपूर्व भागीदारी देखने की मिली है और किसानों की भीड़ ने पिछले सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए अब तक की सबसे ज्यादा 350 स्टॉलें लगाई गईं। प्रभोतरी सत्र में किसानों ने विभिन्न फसलों, बिमारियों, पशुओं व मत्स्य पालन संबंधी सवाल पूछे तथा वैज्ञानिकों ने उनके जवाब दिए। मंच संचालन डॉ कनिका रानी व श्वेता ने किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉल पुरस्कृत

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ नरेश कौशिक ने बताया कि प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के राजनीश कुमार ने प्रथम, कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कुलबीर व शमशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। विश्वविद्यालय स्तर पर सीसीएसएचएस विभाग समूह में गवना अनुभाग ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग में कपास अनुभाग व सब्जी विभाग विभाग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एबी-दूरिउम और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। एमएचएयू/एलएस और सरकारी विभाग समूह में लुवांस, हिसार को प्रथम, एमएचएयू, करनाल को द्वितीय तथा बागवानी विभाग हरियाणा व मेड प्रजनन फार्म हिसार को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला। अंत में, विविध समूह में सिवाजी खोलन इंडस्ट्रीज पहले, यूनिवर्सिटी सपरगाई येन दूसरे और बीकेटी टायर्स व एबीक स्टार्टअप संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मसुरी	3-10-26	1	7-8

रिकॉर्ड भागेदारी कृषि मेले में, 6 राज्यों से 1 लाख 46 हजार किसानों ने की शिरकत

3 करोड़ 56 लाख रुपए से अधिक की रबी फसलों के बीज व अन्य उत्पाद किसानों ने खरीद हकृति में सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

हिसार, 2 अक्टूबर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में -सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा विषय पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न हो गया। इस दो दिवसीय कृषि मेला रबी में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 1 लाख 46 हजार किसानों ने भाग लिया। किसानों ने मेले में उन्नत किस्म के बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी भी हासिल की। दो दिवसीय मेले के दौरान 3 करोड़ 56 लाख 3 हजार 910 रुपए के बीज, कृषि साहित्य व अन्य उत्पादों की बिक्री हुई।

संयुक्त निदेशक विस्तार डा. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में किसानों ने 3 करोड़ 51 लाख 71 हजार 300 रुपए के रबी फसलों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीजों के अलावा किसानों ने 3 लाख 29 हजार रुपए के जैव उर्वरक तथा 38 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 771 नमूनों की जांच करवाई गई। मेले में 58 हजार रुपए के टिश्यू कल्चर प्लांट भी बेचे गए। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों के बीच हुए संवाद के अलावा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई।

कृषि मेले में किसानों की रिकॉर्ड भागीदारी

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के 56 वर्षों के इतिहास में इस बार आयोजित कृषि मेला रबी-2026 में किसानों की अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली है और किसानों की भीड़ ने पिछले सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। मेले में प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने विभिन्न फसलों, विमारियों, पशुओं व मत्स्य पालन संबंधी सवाल पूछे तथा वैज्ञानिकों ने उनके जवाब दिये। मंच संचालन डॉ कनिका रानी व श्वेता ने किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया

इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के संचालकों को सम्मानित किया गया। प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के रजनीश कुमार ने प्रथम, कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कुलबीर व शमशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। विश्वविद्यालय स्तर पर सी.सी.एस.एच.ए.यू. विभाग समूह में गन्ना अनुभाग



बीज खरीदने के लिए किसानों की लगी लाइन व मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करते हुए कुलपति।

व सब्जी विज्ञान विभाग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि एग्री-टूरिज्म और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कृषि मेला किसानों के लिए ज्ञान, तकनीक और नवाचार का संगम: प्रो. बी.आर. काम्बोज

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्यातिथि रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की सुविधा और कपास की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कपास की चुगाई के लिए बड़ी मशीन विकसित की गई है, जो एक एकड़ कपास की चुगाई लगभग 45 मिनट में कर सकती है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक कपास की ऐसी उन्नत किस्में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जिनमें पौधों की ऊंचाई सीमित रहे। जिससे मशीन द्वारा कपास की चुगाई अधिक सुगम और प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में किसानों से कपास उत्पादन को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के लिए उन्नत किस्मों, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोगों की समेकित रोकथाम तथा वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए भविष्य में आयोजित होने वाले कृषि मेलों के लिए मेला समिति का विस्तार किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-10-26	7	3-6

कृषि मेला किसानों के लिए ज्ञान, तकनीक व नवाचार का संगम : प्रो. काम्बोज

हकृति में 'सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण व जल संसाधन सुरक्षा' विषय पर कृषि मेला सम्पन्न

हिसार, 2 अक्टूबर (विरन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष के मेले का थीम 'सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्यातिथि रहें। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की सुविधा और कपास की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा कपास की चुगाई के लिए बड़ी मशीन विकसित की गई है, जो एक एकड़ कपास की चुगाई लगभग 45 मिनट में कर सकती है। इसी दिशा में किसानों के लिए ऐसी छोटी एवं सुविधाजनक मशीन तैयार करने पर भी



उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कार्य किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक कपास की ऐसी उन्नत किस्में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जिनमें पौधों की ऊंचाई सीमित रहे।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के 56 वर्षों के इतिहास में इस बार आयोजित कृषि मेला रबी-2026 में किसानों की अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली है और किसानों की भीड़ ने पिछले सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए अब तक की सबसे ज्यादा

350 स्टालें लगाई गईं। प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने विभिन्न फसलों, बिमारियों, पशुओं व मत्स्य पालन संबंधी सवाल पूछे तथा वैज्ञानिकों ने उनके जवाब दिये। मंच संचालन डॉ. कनिका रानी व श्वेता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी, कृषि विभाग के प्रतिनिधि, कृषि विशेषज्ञ, किसान एवं बड़ी संख्या में कृषि हितधारक उपस्थित रहे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि, मेले में बीज समूह में गिरनार सीड्स ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी समूह में एडवांटा एंटरप्राइजेस लिमिटेड व फोराजन सीड्स प्राइवेट लिमिटेड ने संयुक्त रूप से दूसरा और गुडविल हाइब्रिड सीड्स

इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कोटनाशक समूह में उत्तम भारत एग्रोलाइफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को पहला स्थान मिला, जबकि मोडेस्टो क्रॉप प्रोटेक्शन व शक्ति वर्धक हाइब्रिड प्राइवेट लिमिटेड संयुक्त रूप से दूसरे और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड तीसरे स्थान पर रहे। उर्वरक, जैव-उर्वरक और पोषक तत्व समूह में जीनोम हैबीटेड ने प्रथम, इफको, हिसार ने द्वितीय और प्रो इंडिगो प्राइवेट लिमिटेड ने तृतीय स्थान पाया। मशीनरी और ट्रैक्टर समूह में तीर्थ एग्रो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड शक्तिमान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मोंट्रा इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर दूसरे और फील्ड मार्शल तीसरे स्थान पर रहे। पशु औषधि समूह में वेक्सटर हेल्थ केयर ने पहला, एनिमैक्स हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने दूसरा और गुरुदेव वेटरनरीज ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रगतिशील किसान समूह में यमुनानगर के रजनीश कुमार ने प्रथम, कैथल के राजेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कुलबीर व रामशेर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।